



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 90]

नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 14, 2001/माघ 25, 1922

No. 90]

NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 14, 2001/MAGHA 25, 1922

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 14 फरवरी, 2001

स्टाप्प

का. आ. 132(अ).—भारतीय स्टाप्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उस शुल्क को माफ करती है जो दामोदर बैली कारपोरेशन सार्वजनिक क्षेत्र के रूप में वर्णित ग्रोमिसरी नोटों के स्वरूप के बंध पत्रों पर दिनांक 9-12-1996 को दामोदर बैली कारपोरेशन कलकत्ता द्वारा आवंटित किए गए मात्र पछहतर करोड़ रुपये के समग्र मूल्य के प्रत्येक पक्क-पक्क हजार रुपये के 000001 से 750000 तक की विशिष्ट संख्या वाले कराध्य बंध पत्रों पर उक्त अधिनियम के तहत प्रभार्य है।

[मं. 11/2001-स्टाप्प/फा. सं. 33/12/2000-बि.क.]

अभय त्रिपाठी, निदेशक (बिक्री कर)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi, the 14th February, 2001

STAMPS

S.O. 132(E).—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of promissory notes described as Damodar Valley Corporation Public Sector Taxable Bonds bearing distinctive numbers from 000001 to 750000 of rupees one thousand each of the aggregate value of rupees seventy five crores only allotted on 9-12-1996 by Damodar Valley Corporation, Calcutta, are chargeable under the said Act.

[No. 11/2001-STAMPS/F. No. 33/12/2000-ST]

ABHAY TRIPATHI, Director (Sales Tax)

